पेश का जाव

4-2-26 पत्रावली पेश हुई उभय पक्ष उपस्थित प्रकरण
मे कार्य व्यस्तता अधिक होने से आदेश न ही लिखा
जा सका है। प्रकरण मे बहस सुने हुए एक माह से
अधिक समय होने पुनः माननीय बहस सुनी गई
प्रार्थी का प्रा. पत्र सिद्ध नही होने से खारिज किया
जाता है। विस्तृत आदेश पृथक से लिखा जाकर
शामील पत्रावली किया गया। पत्रावली फैसलशुमार
होकर नम्बर से कम हो।